सन की खान बुन्देली

(बुन्देली काव्य संग्रह)

डॉ. रामकृपाल 'कृपाल'

Scanned with OKEN Scanner

माता जी – श्रीमती भूरी देवी

पिता जी – श्री राम दास

समर्पण

जिनसें मानस काया पाई, छाया है सुखदाई।
चलबौ सीखौ पकर उँगरिया, जय-जय बाप मताई।
पढ़े-लिखे हम बड़े भये हैं, जिनकी आशिष पाई।
उनके चरनन में अरपित है, बुन्देली कबिताई।

डॉ. रामकृपाल 'कृपाल'

कृति का नाम	**रसन की खान बुन्देली** (बुन्देली काव्य संग्रह)
रचयिता	डॉ. रामकृपाल 'कृपाल'
प्रथम संस्करण	2019
प्रतियाँ	500
सर्वाधिकार	रचनाकार के अधीन
मूल्य	₹ 220.00
प्रकाशक	बुन्देली साहित्य एवं संस्कृति सेवा संस्थान उरई, जनपद – जालौन, उ.प्र. – 285001
मुद्रक	नाइस ग्राफिक्स, उरई

Rasan Ki Khan Bundeli

BY

Dr. Ramkripal "Kripal"

Scanned with OKEN Scanner

रसन की खान बुन्देली

(बुन्देली काव्य संग्रह)

रचनाकार : डॉ. रामकृपाल 'कृपाल'

अनुक्रम

क्र.सं.	विवरण	पृष्ठ
1.	सिंहावलोकन - डॉ. इन्द्रपाल सिंह परिहार 'अभय'	5
2.	अभिमत - डॉ. श्याम बहादुर श्रीवास्तव 'श्याम'	9
3.	आत्म कथ्य - डॉ. राम कृपाल 'कृपाल'	10
	चौकड़िया	
4.	बन्दना	13
5.	चुनाब पुरबइया	14
6.	माँ की ममता	16
7.	भारतीय सेना का सौर्य	18
8.	अन्धौ कानून	21
9.	बुढ़ापौ	21
10.	बिचार बिन्दु	22
11.	संसार की निस्सारता	27
12.	काल चक्र	28
13.	घर-घर की कहानी	29
14.	समाज की दसा व दिसा	30
15.	चार बरन	31
16.	दहेज दानव	31
17.	धरम की दसा	32
18.	महँगाई	34
19.	रितु बरनन	35
20.	सास्त्र ग्यान	36
21.	अहंकार का कुआ	38
22.	बुन्देलखण्ड की सान	40
23.	कोल्हू का बैल	42

Scanned with OKEN Scanner

क्र.सं.	विवरण	पृष्ठ
24.	दीपाबली	42
25.	बारे बाह जमाने	43
26.	चक्का घूमो परिबर्तन को	45
27.	चेताबनी	48
28.	गीता महातम	60
	गीत	
29.	बन्दना	61
30.	बमूरा कों बेआम बताँय	62
31.	कहें का लरकन के अब हाल	63
32.	हमें रह-रह कें आबें याद	64
33.	आजादी आई है ऐसी	66
34.	हो गये भोर	67
35.	मची रार बँटवारे की	68
36.	रसन की खान बुंदेली	69
37.	किसान	70
38.	चुनाब को धन्धौ	71
39.	मँहगाई	72
40.	ये हैं बड़े महान	73
41.	सोने के कलसा में (व्यंग्य)	74
42.	बिदाई	75
43.	बेटी	76
44.	नींद न आये रे	77
45.	सुनो मेरे मालिक	78
46.	उठी हाट जीबन की	79
47.	परिबर्तन	80
48.	अरज सुनौ बनबारी	81
49.	नमन है माँ को बारम्बार	82
50.	कहों हाल अब गाँव गली के	84
49.	गुरु बंदना	86

Scanned with OKEN Scanner

जीवन परिचय

नाम	:	डॉ. रामकृपाल 'कृपाल'
पिता	:	श्री रामदास (प्रधानाध्यापक)
माता	:	श्रीमती भूरी देवी
पत्नी	:	श्रीमती चन्द्रकुमारी
शिक्षा	:	एम.ए., बी.एड., विद्या वाचस्पति (मानद Ph.D.) आयुर्वेद रत्न, आर.एम.पी
जन्म	:	07.03.1953, ग्राम - छानी खास (जालौन) उ.प्र.
व्यवसाय	:	सेवानिवृत्त शिक्षक, उ. मा. विद्यालय छानी खास (जालौन)
सृजन	:	1. अन्तर्दृष्टि (काव्य संग्रह) 2. चिन्तन चाँदनी (गीत संग्रह) 3. गीता सतसई (श्रीमद्भगवद्गीता दोहानुवाद) 4. रसन की खान बुन्देली (काव्य संग्रह) 5. दोहा संग्रह (अप्रकाशित) 6. जीवन दर्शन लेख (अप्रकाशित)
सम्पर्क	:	नया खण्डेराव, लौना रोड, जालौन (उ.प्र.)
मोबाइल नं0	:	9838928403, 8707214198

सम्मान/पुरस्कार :

1. उत्तर प्रदेश हिन्दी संस्थान लखनऊ द्वारा सुब्रह्मण्य भारती पुरस्कार साहित्यकारों द्वारा अन्य भारतीय भाषाओं से हिन्दी में अनुदित कृति गीता सतसई
2. स्वर्ण सम्मान, संस्कार ग्रामोत्थान संस्था, उरई (जालौन) उ.प्र.
3. विद्या वाचस्पति (मानद Ph.D.) साहित्य, सांस्कृतिक कला संगम अकादमी, प्रतापगढ़, उ.प्र.
4. विद्या वाचस्पति - विक्रमशिला हिन्दी विद्यापीठ, भागलपुर (बिहार)
5. राष्ट्र भूषण सम्मान - राष्ट्रीय मानवाधिकार संगठन दिल्ली
6. पांचाल साहित्य शिरोमणि - अ. भा. पांचाल महासभा जालौन, उ.प्र.
7. दोहा शिरोमणि सम्मान - सा. शारदा मंच खटीमा, उत्तराखण्ड
8. दोहा रत्न सम्मान - अनुसंधान प्रकाशन साहिबाबाद, गाजियाबाद (उ.प्र.)
9. मुक्तक शिरोमणि - अनुसंधान प्रकाशन साहिबाबाद, गाजियाबाद (उ.प्र.)
10. खुशबू काव्य सम्मान - खुशबू साहित्य संस्था रौन भिण्ड (म.प्र.)
11. प्रशस्ति पत्र - स्वामी ब्रह्मानन्द ब्रिगेड, जालौन रजि.
12. काव्य रत्न सम्मान - राष्ट्रीय चिन्तन साहित्य समिति, सरायं ईगुईं (जालौन) उ.प्र. एवं अन्य सम्मान / प्रशस्ति पत्र

Scanned with OKEN Scanner